

मुंगेर में गंगा नदी पर नरि्मति रेल-सह-सड़क पुल की पहुँच पथ परयिोजना का लोकार्पण

चर्चा में क्यों?

11 फरवरी, 2022 को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नतिनि गडकरी ने बहिर राज्य के मुंगेर में गंगा नदी पर 'रेल-सह-सड़क पुल'की पहुँच पथ परयिोजना का लोकार्पण कयिा ।

प्रमुख बदि

- मुंगेर में राष्ट्रिय राजमार्ग 333बी पर गंगा नदी के ऊपर नरि्मति रेल-सह-सड़क पुल के लयि 14.5 कर्मी लंबी पहुँच सड़क को कुल 696 करोड़ रुपए की लागत से वकिसति कयिा गया है ।
- यह 'रेल-सह-सड़क पुल'बहिर में गंगा नदी पर नरि्मति तीसरा रेल-सह-सड़क पुल है, जो मुंगेर-जमालपुर शहरों को बेगूसराय, खगड़यिा और उत्तर बहिर के वभिनि ज़िलों से जोड़ेगा ।
- 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बहिर वाजपेयी ने रेल-सह-सड़क पुल की नीव रखी थी । बहिर के वर्तमान सीएम नीतीश कुमार उस समय वाजपेयी सरकार में रेल मंत्री थे ।
- इस पुल की मांग बहुत लंबे समय से की जा रही थी, जसिे नभि्न प्रकार देखा जा सकता है-
- 1953 में पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भी मुंगेर के लोगों से वादा कयिा था कनिदी पर एक पुल का नरि्माण कयिा जाएगा ।
- 1971 में इंदरिा गांधी ने एक चुनाव प्रचार के दौरान इसी तरह के आशवासन दोहराए थे ।
- रेल-सह-सड़क पुल को अंततः 1997-98 के रेल बजट में (पूरक अनुदान के माध्यम से) सांकेतिक आवंटन प्राप्त हुआ ।